08 (Q1) औद्योग स्थल पर रोशनी या प्रकाश का प्रभाव भौतिक
09 वातावरण तथा कार्यदक्षता को प्रभावित करता है, प्रकाश
डालें ?

10 उत्तर कर्मचारियों को जिस कार्यशाला
11 या उद्योग में कार्य करना होता है, उसके भौतिक
वातावरण (physical environment) का प्रभाव उस पर
12 सीधा पड़ता है। भौतिक वातावरण में उद्योग में पार्किंग
सुविधाओं तथा उद्योग के स्थान, उद्योग के कार्य स्थल
13 का डिजाइन आदि से लेकर कार्य करने के कमरे में रोशनी,
तापक्रम, आर्द्रता, कोलाहल, संगीत आदि के प्रबंधों से
Lunch होता है। अध्ययनों से यह साबित हो गया है इनमें से कुछ
कारकों का उत्पादन-स्तर तथा कर्मचारियों की कार्यदक्षता
14 (work efficiency) पर सीधा प्रभाव पड़ता है। कुछ ऐसे
ही कारक निम्नलिखित हैं —

15 (1) रोशनी या प्रकाश (illumination)
(2) वायुमंडलीय अवस्थाएँ (atmospheric conditions) —
16 तापक्रम आर्द्रता, तथा वायुसंचार
(3) कोलाहल (noise)
17 (4) संगीत (music)
(5) रंग (colour)
18

19 (1) रोशनी - औद्योगिक दक्षता (industrial efficiency) को
बनाए रखने में रोशनी का महत्व सर्वोपरि है। प्रकाश
20 की पर्याप्तता का औद्योगिक उत्पादन से सीधा संबंध
देखा गया है। प्रकाश का स्तर पर्याप्त होने से उत्पादन
Eve. की मात्रा एवं गुणवत्ता (quality) दोनों का स्तर उन्नत
होता है। औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा किये गये अध्ययनों
से यह स्पष्ट हुआ है कि प्रकाश के निम्नलिखित पहलुओं

Scanned with CamScanner

January
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4 5 6 7
8 9 10 11 12 13 14
15 16 17 18 19 20 21
22 23 24 25 26 27 28
29 30 31

का प्रभाव उत्पादन-स्तर पर सीधा पड़ता है—

(i) प्रकाश की तीव्रता (intensity of illumination)
(ii) प्रकाश का वितरण (distribution of illumination)
(iii) प्रकाश का रंग (Colour of illumination)

(i) प्रकाश की तीव्रता – औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा किए गये अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि भिन्न-भिन्न कार्यों को सफलतापूर्वक करने में रोशनी की तीव्रता का स्तर एक समान न होकर अलग-अलग होता है। इतना ही नहीं, कार्यकर्त्ताओं की उम्र पर भी प्रकाश की तीव्रता का स्तर निर्भर करता है। बूढ़े और बुजुर्ग कार्यकर्त्ताओं को अधिक तीव्र रोशनी की जरूरत पड़ती है। जिस कार्य में बारीकी से छोटे-छोटे उपकरणों एवं पार्ट-पुर्जों को संगठित करना पड़ता है जैसे- घड़ी, मोबाइल, लैपटॉप आदि, तो तीव्र रोशनी की जरूरत पड़ती है। हालाकि रोशनी की तीव्रता का एक आदर्श स्तर क्या होगा, इस विषय में विशेषज्ञों के बीच मतभेद है।

(ii) प्रकाश का वितरण – उत्पादन में गुणात्मक एवं मात्रात्मक वृद्धि के लिए प्रकाश की तीव्रता स्तर पर्याप्तता के साथ-साथ प्रकाश का समान रूप से कार्यस्थल पर वितरित होना भी आवश्यक है अर्थात स्थल पर कहीं तीव्र रोशनी तथा कहीं धीमी रोशनी कार्यकर्त्ताओं को अनावश्यक तनाव उत्पन्न करती है।

(iii) प्रकाश का रंग – कई शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि प्रकाश के रंग का भी प्रभाव उद्योगों के उत्पादन एवं कार्यकर्त्ताओं की सांवेगिक प्रतिक्रिया पर पड़ता है। सामान्यतः तीन प्रकार के रंग स्त्रोतों का प्रयोग अक्सर किया जाता है – पीली रोशनी, मरकरी लैम्प जिससे नीले रंग की रोशनी उत्पन्न होती है तथा प्रतिदीप्त लैम्प जिससे मिश्रित रोशनी

Scanned with CamScanner

February

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
•	•	•	1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	•	•	•

January 2012

Thursday 12

(012 - 354) Wk 02

08 निकलती है जो लगभग सूर्यप्रकाश के समान होती है। इससे अधिक स्पष्टता (visibility) सूर्य प्रकाश में पाई जाती या फिर उस कृत्रिम रोशनी में जो लगभग सूर्य प्रकाश के समान थी।

09

10

11

12

13

Lunch

14

15

16

17

18

19

20

Eve.

Scanned with CamScanner